भारतीय संस्कृति पर विज्ञान एवं तकनीकी का प्रभाव

डॉ. पिंकी योगी, सहायक आचार्य दर्शनशास्त्र, स.पृ.चौ.राजकीय महाविद्यालय, अजमेर, yogipinkey@gmail.com

शोध सारांश

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीन संस्कृतियों में से एक है, इसमें समरसता (शांतिपूर्ण सहअस्तित्व), अपरिग्रह, संयम, लोक कल्याण प्रभृति मूल्यों के आधार पर आचरण का औचित्य - बोध निर्धारित किया जाता रहा है। भारतीय संस्कृति समयानुसार बदलाव के प्रति संगति बनाए रख पाई है। विज्ञान एवं तकनीकी, जो की सत्य एवं वास्तविकता के अन्वेषण एवं अनुप्रयोग के साधन है, के विकास के साथ भारतीय संस्कृति सामंजस्य बनाती दिखती है।

सामान्यतः नैतिकता (जो कि संस्कृति के अनेक मूल्यों में से एक माना जाता है) एवं विज्ञान को परस्पर विरोधी के रूप में देखा जाता है लेकिन वास्तविकता यह नहीं है । प्रस्तुत शोध पत्र भारतीय संस्कृति के वास्तविक स्वरूप एवं विज्ञान तकनीकी के साथ इसके संबंधों एवं परस्पर प्रभाव पर एक यथार्थ दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का प्रयास करेगा।